



## एआई के सामाजिक परिणाम व चुनौतियां

Neetu Choudhary, Assistant Professor, Govt. College Tonk

कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाज के लगभग हर क्षेत्र में गहरा प्रभाव डाल रही है। इससे नई संभावनाएँ और समाधान उत्पन्न हो रहे हैं। लेकिन साथ ही यह कई सामाजिक चुनौतियों को भी जन्म दे रही है। एआई ने ऑटोमेशन के माध्यम से कई कार्यों को सरल और तेज नए तकनीकी रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। व्यक्तिगत सीखने के प्लेट-फॉर्म और ऑनलाइन शिक्षा ने ज्ञान को अधिक लोगो तक पहुँचाया है। एआई द्वारा बीमारियों की समय से पहचान और ट्रीटमेंट प्लानिंग बेहतर हुई है। आपदाओं की भविष्यवाणी और राहत कार्यों को सुगम बनाने में एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

एआई के नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिल रहे हैं।

ऑटोमेशन के कारण कई पारंपरिक नौकरियां समाप्त हो रही हैं। जिससे बेरोजगारी और आर्थिक असमानता बढ़ रही है। एआई आधारित डेटा संग्रहण से लोगों की गोपनीयता खतरे में पड़ गई। इसके दुरुपयोग से बड़े बड़े पैमाने पर निगरानी का खतरा बढ़ रहा है। एआई आधारित निर्णयों में कौन जिम्मेदार होगा, यह सवाल अक्सर अस्पष्ट रहता है। नैतिक सुरक्षा सुनिश्चित करना बड़ी चुनौति है।

प्रस्तुत पेपर में एआई के सामाजिक परिणाम व चुनौतियों को समझने का प्रयास किया गया है।

